जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 05 दिसंबर 2018

सोलर एनर्जी इन्वर्टर पर जेएमआई में वर्कशाॅप

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के इलेेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ने "स्टैंडर्ड आॅफ ग्रिड कनेक्टेड सोलर इन्वर्टर्स फाॅर इंडियन पावर सिस्टम " पर एक दिवसीय वर्कशाॅप का आयोजन किया। यह वर्कशाॅप इस विभाग की एडवांस पावर इलेेक्ट्रानिक्स रिसर्च लैब में हुई।

इस वर्कशाॅप में शिरकत करने वालों में नवीन एवं अक्षय ऊर्जा मंत्रालय के इंजीनियर्स मुख्य रूप से शामिल हुए जो विश्वविद्यालय से एडवांस सोलर प्रोफैशनल स्किल डेवलप्मेंट सर्टिफिकेट कोर्स कर रहे हैं।

इलेेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डा एहतेशाम हक़ ने आईईसी स्टैंडडर्स फाॅर इंडियन पावर सिस्टम के बारे में विस्तार से जानकारी मुहैया कराई। विभाग में एडवांस पावर इलेेक्ट्राॅनिक्स रिसर्च लैब उन्हीं ने स्थापित की है और वह इसके प्रभारी भी हैं। उन्होंने लैब में सोलर इन्वटर्स के परीक्षण और उसे मापने का लाइव प्रदर्शन किया।

वर्कशाॅप में हिस्सा लेने आए इंजीनियर्स ने जेएमआई परिसर में लगे सोलर पावर प्लांट का अध्ययन किया।

इलेेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रोफेसर ज़ेड ए जाफ़री ने वर्कशाॅप में हिस्सेदारी करने वालों का स्वागत किया और सोलर एनर्जी देश के लिए क्यों अत्याधिक ज़रूरी है, इसके बारे में विस्तार से बताया।

एनआईएसई की समन्वयक सुश्री स्वाति अगारिया ने डा हक़ से मिल कर वर्कशाॅप का आयोजन किया।

जेएमआई के रजिस्ट्रार ए पी सिद्दीकी ने इस वर्कशाॅप को कामयाब बनाने में बहुमूल्य समर्थन दिया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने अक्षय ऊर्जा की पहल को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण के नए आयाम स्थापित किए हैं। इसने 2.2 मेगावाॅट का सोलर प्लांट स्थापित किया है जिसने आंशिक तौर पर काम करना शुरू भी कर दिया है। यह देश के किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित किए जाने वाला सबसे बड़ा रूफ़टाॅप सोलर पावर प्लांट है। जेएमआई सोलर एनर्जी पर एक वोकेशनल डिग्री कोर्स भी चला रहा है। वह इस क्षेत्र में कुछ नए कोर्स शुरू करने पर भी विचार कर रहा है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक